प्रकाशक की ओर से

अमेरिका कई दशकों से अमेरिकी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भारतीय विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों का स्वागत करता आ रहा है जिससे कि वे खुद का ज्ञान-संवर्धन करने के साथ ही इन संस्थानों को भी समृद्ध करें। इनमें से अनेक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को स्वयं शैक्षिक संस्थाओं की ओर से या अमेरिकी सरकार की ओर से फेलोशिप, छात्रवृत्ति या अन्य योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता दी जाती है। पिछले चार वर्षों में भारत ने सभी देशों की तुलना में सबसे अधिक छात्र अमेरिका भेजे। शैक्षिक वर्ष 2004-05 में कुल 80,466 भारतीय विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। दूसरी ओर, यहां के इतिहास, संस्कृति, अर्थव्यवस्था तथा राजनीतिक प्रणाली के अध्ययन के साथ ही अत्याधुनिक विज्ञान, इंजीनियरी और कृषि अनुसंधान में सहयोग से लाभ उठाने के लिए अमेरिकी विद्यार्थी भी भारत आ रहे हैं। इनमें से पहले की तुलना में आज कहीं अधिक विद्यार्थी हिंदी और भारतीय भाषाएं बोलते हैं या इन्हें सीखने के लिए आते हैं। राष्ट्रपति बुश ने इस तरह की पहल के लिए धन उपलब्ध कराकर इसे प्रोत्साहित किया है। दोनों देशों के नजदीक आने और हमारे युवाओं के वैश्विक नागरिक बनने के दौर में अमेरिकी विद्यार्थियों को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण भाषाएं सिखाने की पहल में हिंदी और उर्दू भी शामिल हैं। इसके साथ ही, हमारे विश्वविद्यालयों के बीच भी संपर्क बढ़ रहा है- विशेषज्ञों की सीधी आवाजाही और वर्चुअल माध्यमों से। एक-दूसरे के पाठ्यक्रमों को मान्यता देने के साथ ही एक दिन शायद संयुक्त रूप से डिग्री भी दी जाने लगे। दोनों देशों के नागरिकों की उत्तम शिक्षा की चाहत से अन्य क्षेत्रों में भी निकट सहयोग की नींव मजबूत हो रही है। इस विशेषांक में हमने अपने सैकड़ों पाठकों के अनुरोध के मद्देनजर उच्च शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें से कई लेखों में इंटरनेट लिंक दिए गए हैं जिनसे आपको अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी। हमारे इस नए प्रयास का लक्ष्य 'स्पैन' को आपके लिए अधिक उपयोगी बनाना है। हमारी वेबसाइट पर आपको इससे भी अधिक लिंक मिलेंगे। हमें आशा है कि आप वेबसाइट पर जाकर इनका लाभ उठाएंगे।

प्रकाशक: माइकल एच. एंडरसन **प्रधान संपादक:** कोरिना आर. सैन्डर्स
संपादक: लॉरिंडा कीज़ लौंग **सहयोगी संपादक:** ए. वेंकट नारायण
उर्दू संपादक: अंजुम नईम **हिंदी संपादक:** गिरिराज अग्रवाल
कॉपी संपादक: दीपांजली काकाती **कला निर्देशक:** हेमंत भटनागर
उप कला निर्देशक: खुरशीद अनवर अब्बासी
संपादकीय सहायक: शालिनी वर्मा **प्रोडक्शन/ प्रसार प्रबंधक:** राकेश अग्रवाल
प्रोडक्शन सहायक: आलोक कौशिक
बिज़नेस मैनेजर: आर. नारायण
शोध सेवा: अमेरिकन इन्फरमेशन रिसॉर्स सेंटर, ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल इन्फरमेशन प्रोग्राम्स

आवरण: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के वर्ष 2004 के दीक्षांत समारोह में प्रबंधन संस्थान के डिग्रीधारी डॉलर और झंडे लहराते हुए।
फोटो: माइकल डॉयर ©ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

पब्लिक अफेयर्स अनुभाग, अमेरिकन सेंटर, 24 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (फोन: 23316841) द्वारा अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली, के लिए प्रकाशित और अजंता ऑफसेट एंड पैकेजिंग लिमिटेड, 95-बी वज़ीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110052 द्वारा मुद्रित। यह आवश्यक नहीं है कि इस पत्रिका में व्यक्त विचार अथवा नीतियां अमेरिकी सरकार की ही हों। अनुमति के बिना इस पत्रिका का कोई भी अंश प्रकाशित नहीं किया जा सकता। इस अंक में 68 पृष्ठ हैं।

स्पैन का वेब पता
http://usembassy.state.gov/posts/in1/wwwhspan.html
Contact us: editorspan@state.gov
For subscriptions or:
change of address: subscriptionspan@state.gov

मई/जून 2006
SPAN स्पैन
वर्ष: 4 अंक: 3

कालमैन जवाकर-बोस्टन यूनिवर्सिटी

आवरण कथा 2

इस अंक में

2 अमेरिकी कॉलेजों में दाखिले के गुर दीपांजली काकाती
6 यूसेफी: शिक्षा से रिश्तों के पुल लॉरिंडा कीज लौंग द्वारा इंटरव्यू
8 आर्थिक मदद के स्रोत मार्टिना शुल्ज
9 उच्च शिक्षा: अमेरिकी सबक
हार्वार्ड विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट लॉरेंस एच. समर्स के भाषण के अंश
10 अमेरिकी विश्वविद्यालयों में विकल्पों की भरमार
मोनिका मर्सर
14 ग्रेड का हौआ नहीं मोनिका मर्सर
16 विविधता की ताकत रिचर्ड एकमैन
18 पढ़ते-पढ़ते नौकरी का अनुभव सैली फरहत
20 उच्च शिक्षा को लगे अमेरिकी पंख गिरिराज अग्रवाल
22 भारत में पढ़ते अमेरिकी छात्र
ए. वेंकटनारायण और लॉरिंडा कीज लौंग
25 योग का जादू . जेनिफर रीनगोल्ड
28 यादें: जॉने केनेथ गैलब्रेथ माइकल जे फ्राइडमैन
30 दिल्ली के इठलाते पक्षी थॉमस एल. वॉली
34 ऑदुबॉन: पक्षियों का महाज्ञाता रिचर्ड रोड्स
42 कैमरा बना गवाह दीपांजली काकाती

स्थान सी. मलोनी

नई दिल्ली के रूजवेल्ट हाउस में बैंगनी शकरखोरा

मध्य-पृष्ठ 30

खेल 44

© आईसीसी

अमेरिका के मृणाल पटेल (बाएं) और निसर्ग पटेल 19 साल से कम उम्र के खिलाड़ियों की आईसीसी विश्व कप प्रतियोगिता में नामीबिया के खिलाफ रन लेते हुए।

44 क्रिकेट बनाम बेसबाल अदनान ए. सिद्दीकी
48 नर्तकों ने बांधा समां लॉरेन मानसेन
50 साहित्य का कमांडर अंजुम नईम
51 अब तो मुस्कराइए
52 फोटो कॉपी की दास्तां डेविड ओवन
60 शख्सियत: विशाखा देसाई
रमोला तलवार बदाम

भूल सुधार: *स्पैन के मार्च-अप्रैल 2006 के अंक में कृषि ज्ञान पहल लेख के साथ प्रकाशित फोटो टी. जी. वेंकटेश द्वारा ली गई थी।*